UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 38 जमशेद जी नसरवान जी टाटा (महान व्यक्तिव)

पाठ को सारांश

जमशेद जी नसरवान जी टाटा ने भारत के औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान किया। इनका जन्म गुजरात के पारसी परिवार में 3 मार्च, सन 1839 ई० को हुआ। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा मुम्बई में हुई। आगे की पढाई एलिफिंस्टन कॉलेज में पूरी की। पढ़ाई के दौरान इनका विवाह हीराबाई से हुआ। सन 1856 ई० में इनके पुत्र दोराब जी का जन्म हुआ।

शिक्षा के बाद कुछ दिन वकालत करके इन्होंने उसे छोड़ दिया और अपने पैतृक व्यवसाय व्यापार में रुचि ली। इन्होंने हाँगकाँग और शंघाई जैसे नगरों में अपने व्यापार की शाखाएँ खोलीं। इन्होंने चीन में व्यापार और अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया। इन्होंने चार वर्षों तक लंदन जाकर लंकाशायर और मैनचेस्टर नगरों की यात्रा की, जो वस्त्र उद्योग के केन्द्र थे। वहाँ वस्त्र उद्योग सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन किया।

स्वदेश लौटकर इन्होंने अपना मकान और निजी सम्पत्ति बेचकर कर्ज की अदायगी की और व्यापारियों का विश्वास व अपनी साख बढ़ाई। इससे भावी प्रगति के द्वार खुल गए। जमशेद जी भारत में मैनचेस्टर और लंकाशायर जैसी उन्नत किस्म की मिलें स्थापित करना चाहते थे। इन्होंने देखा कि अँग्रेज भारत से सस्ती खरीदी कपास से बने कपड़ों को भारत में लाकर ऊँचे दाम पर बेच रहे हैं। इससे इन्हें दुख हुआ।

जनवरी 1877 ई० में इन्होंने नागपुर में इंप्रेस मिल की स्थापना की। कपड़ा मिल के स्थापना के बाद सन 1880 ई० में इन्होंने इस्पात उद्योग स्थापित करना चाहा। इस बड़े उद्योग की स्वीकृति अँग्रेज सरकार ने मुश्किल से दी। जब भूगर्भ विशेषज्ञों का खनिज सर्वेक्षण चल रहा था; तभी इनका निधन हो गया। इनके पुत्रों ने अधूरा कार्य पूरा किया और सन 1911 ई० में लोहा और इस्पात कारखाना की स्थापना के साथ ही टाटा का महान स्वप्न पूरा हुआ। साकची (जमशेदपुर) में टाटा आयरन एण्ड स्टील कारखाना स्थापित हुआ।

https://www.evidyarthi.in/